

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

सब कुछ दूसरे के अनुग्रह द्वारा होता है

एक और वर्ष सही सलामत गुजारने के बाद, मैं इस सोच से गहरे प्रभावित हूँ कि बुद्ध का मुझ पर कितना ध्यान है।

एक कविता की एक पंक्ति है: “सिंहपर्णी / कुकरोँधा के खिलने के लिए उसकी जड़ों और पत्तियों को धन्यवाद।” कितनी बार हम एक फूल की सुंदरता से प्रभावित होते हैं और हम भूल जाते हैं इसकी जड़ों और पत्तियों को धन्यवाद देना जिनके सहारे यह खिलता है? इसी तरह, हम अपने जीवन जीने को दूसरे के जीने से नहीं जोड़ते हैं, अपने पति, पत्नियों, माता-पिता, बच्चों और आस-पास के सभी लोगों के प्रति आभारी होने की कोई आवश्यकता नहीं समझते हैं? हम जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीजों को तब तक नहीं देख पाएँगे, जब तक हम अपने मन की आँखों को खुला नहीं रखते हैं।

ओनिशी रियोकेइ (1875-1983), जो 107 साल की अप्रहणीय उम्र तक क्योतो के एक बौद्ध मंदिर कियोमिजु-देरा के मुख्य पुजारी थे। उन्होंने हमें यह कहते हुए विदा लिया, “स्वर्ग दूसरों को ‘धन्यवाद’ कहते हुए जीवन जीना है।”

एक और वर्ष के अंत में, मुझे आशा है कि हम अपने जीवन में सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता के अपने ऋण का स्मरण करेंगे।

निक्क्यो निवानो, काइसो जुइकान 9 (कोसेइ प्रकाशन, 1997),
पीपी. 2020-203

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 183 (December 2020)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Kensuke Osada
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rissho Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



President's Message

हर दिन तरोजा जीना

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

“यह बुद्धमार्ग का स्थान है”

इस वर्ष, हम सभी को नए कोरोना वायरस के प्रभावों के कारण अपनी जीवन शैली को बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

आप में से कुछ वायरस से संक्रमित हुए हैं या आपने किसी करीबी को खो दिया है। मैं इस प्रार्थना करने में अकेला नहीं हूँ कि इस बीमारी के बारे में सामूहिक चिंता के साथ, कई प्रभावित लोगों के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दर्द शीघ्र गायब हो जाएंगे।

कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारी जीवन शैली कैसे बदलती है, हालाँकि, कुछ चीजें हैं जिन्हें हमें कभी नहीं भूलना चाहिए।

जैसा कि बौद्ध विद्वान शोबुन कुबोता (1896-1986) ने कहा, “जो लोग पुण्डरीक सूत्र में अपना विश्वास जता रहे हैं, उनके लिए कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किस जगह में रहते हैं, वह बुद्धमार्ग की जगह है” क्योंकि “पुण्डरीक सूत्र के अभ्यास और महारत हासिल करना हमारे दैनिक जीवन में होता है।”

यद्यपि आपने इस कोरोना वायरस महामारी के दौरान चिंतित या भयभीत महसूस किया है, तो क्या आपको लोगों के साथ बातचीत में सहयोग करना याद है? क्या आप उन लोगों के दृष्टिकोण को समझने में सक्षम हैं जो अलग-अलग राय रखते हैं और उन्हें हल्के और नम्रभाव से स्वीकार करते हैं? हमारे लिए, “यह बुद्धमार्ग का स्थान है,” और इसलिए, हमारे दैनिक जीवन में प्रत्येक मुठभेड़ हमें आध्यात्मिक अध्यवसायी के लिए एक अवसर प्रदान करता है।

जब आपका मन शुद्ध है

19 वाँ पुण्डरीक सूत्र: “धर्मभाणकानुशंसा परिवर्त,” का वर्णन है कि कैसे जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण और अपने दैनिक वचनों और कार्यों के माध्यम से जो लोग अभ्यास करते हैं और मोटे तौर पर पुण्डरीक सूत्र की देशनाओं को साझा करते हैं, वे अपने छह इन्द्रियों (आँख, कान, नाक, जी, शरीर और मन) को शुद्ध करते हैं।

President's Message

जापान में, हम अक्सर पहाड़ पर चढ़ते समय इस वाक्यांश “रोक्कोन शोज़ो” का उच्चारण करते हैं; यह “छह इन्द्रियों को शुद्ध करने” का अनुवाद करता है। जैसे ही हम शिखर की ओर बढ़ते हैं, प्रकृति की सुंदरता से घिरे रहते हैं और ताजी हवा में साँस लेते हैं, हमारा शरीर और मन स्पष्ट निखर जाता है। पहाड़ द्वारा उत्सर्जित रहस्यमय आध्यात्मिक ऊर्जा और देवताओं और बुद्धों की विराजती कार्यप्रणाली इसे तेज करती और इंद्रियों को शुद्ध करती है और हमें अपने मूल, अनछुआ मन में लौटने में मदद करती हैं।

पहाड़ पर चढ़े बिना भी, हालाँकि, हमारे पास तरीका है कि जो कुछ भी होता है, उसे शान्तभाव से स्वीकारना है और हर दिन शुद्ध मन से, तरोताज़ा होकर जीना चाहिए। यह तरीका, “यह बुद्धमार्ग का स्थान है” का अभ्यास है।

ऐसा करने के लिए, लोगों में अच्छाई देखने पर ध्यान केंद्रित करें - उन भावनाओं की ओर नहीं झुकें जो आपको बुरा देखने को प्रेरित करते हैं। सबकुछ स्वीकार करें जो पसन्द आये। सूत्र पाठ को एक सहज आदत बनायें, और जब आप किसी को देखते हैं, तो उसके बारे में बिना सोचे-समझे उनके सामने अपने हाथों को जोड़ें। जब आप सहज मन से इस तरह के अभ्यास को करने में सक्षम हो जाते हैं, तो आप दैनिक जीवन में सामंजस्य बिठाते हैं, क्या आप नहीं?

मेरे शिक्षक, युकिओ साकामोतो ने कहा था कि “हमारा दैनिक जीवन, अपने आप में, बुद्धमार्ग का हमारा अभ्यास है। साथ ही, यह वह जगह है जहाँ बुद्ध के कार्य और कृत्य किए जाते हैं - अर्थात्, वह क्रिया जिसके द्वारा बुद्ध जीवित प्राणियों को उद्धार करते हैं।” दूसरे शब्दों में, जबकि हमारा परिश्रम दिन-प्रतिदिन निरंतर बढ़ता जा रहा है, यह हमें मुक्त भी कर रहा है इसलिए हम हमेशा निश्चिन्त मन को ताजगी देनेवाली खुशी का अनुभव करना हैं।

“धर्मभानकों के गुणों” से यह बुद्धमार्ग दिखाता है कि मैंने अब तक क्या चर्चा की है:

जो पुण्डरीक सूत्र को धारण करता है

उसका मनेन्द्रिय पूर्ण परिशुद्ध होगा

क्लेशमुक्तावस्था तक पहुँचे बिना ही

उनके पास उन जैसी विशेषताएँ होंगी। /

लोग जो इस सूत्र को धारण किये हैं

लगातार आश्चर्य की स्थिति में रहेंगे

आनन्दित रहेंगे

सभी जीवित प्राणी स्नेह सम्मान देंगे।

क्या अधिक है, बुद्ध जिस व्यक्ति से यहाँ बात कर रहे हैं वह बोधिसत्व सततसमिताभियुक्त हैं। मेरी व्यक्तिगत व्याख्या यह है कि बुद्ध हमें बोधिसत्व बनने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, जो कभी भी, कहीं भी, किसी के लिए भी अनुकम्पा, करुणा, दया और गर्मजोशी दिखाना नहीं भूलते।

From Kosei, December 2020.

समेकित त्रिविध पुण्डरीक सूत्रः प्रत्येक अध्याय का सारांश एवं मुख्य बिन्दुयें

निक्कयो निवानो

अध्याय 20

बोधिसत्व सदा अपरिभूत / कभी सम्मान के अयोग्य नहीं

दूसरों के बुद्धस्वभाव को दोहराने का एकल अभ्यास

मानव के दुःखी होने का एकमात्र कारण उसका गलत विचार या भ्रम है कि भौतिक शरीर ही आत्मा है। जब तक यह भ्रम है, तब तक भौतिक शरीर की देखभाल अन्य सभी से पहले आती है, और किसी का पहला विचार हमेशा अपनी संतुष्टि के लिए होता है। अन्य लोग गौण हो जाते हैं, और इस तरह से बहुत सारे कार्यक्षेत्र में, हम दूसरे से लेते हैं और दूसरे को छोड़ देते हैं। परिणाम अंतहीन बेचैनी, चिंता और दर्द है।

यदि मानवता को बचाना है और समाज को शांति से रहना है, तो इस भ्रम को नष्ट किया जाना चाहिए और सभी लोगों में बुद्धस्वभाव के बारे में जागरूकता पैदा करनी होगी। निश्चित रूप से अपने दृष्टिकोण और रोजमर्रा के आचरण को नियमित करके लोगों को “बेहतर” बनाने की कोशिश करना वांछनीय है, जो सही है उसे करना सिखाता है, लेकिन यह तरीका मात्र कभी भी प्रभावी नहीं होगा। जब कोई व्यक्ति बुद्धस्वभाव के प्रति जागता है तो उसकी प्रकृति से गलत करना मिट जायेगा, एक जागृत व्यक्ति वैसा करने में असमर्थ है जो बदसूरत या शर्मनाक है।

इस तरह का जागरण व्यक्ति के साथ नहीं रुकता है, हालाँकि - व्यक्ति मूल सत्य के प्रति जागृत होता है कि सभी लोग बुद्धस्वभाव के अधिकारी होते हैं और आदि बुद्ध के कारण ही उनका जीवन है। इस प्रकार, भाई और बहन के सम्बन्ध की भावना के कारण लोग सद्भाव में रहने में सक्षम हो जाते हैं।

यह परिच्छेद प्राचीन काल के एक बोधिसत्व के जीवन से संबंधित है, यह सिद्धांत दर्शाता है: बोधिसत्व दूसरों के बुद्धस्वभाव को दोहराने का एकमात्र कार्य करते हैं, सम्मान का कभी अनादर नहीं करनेवाला बुद्धज्ञान को प्राप्त किया है और कई अन्य अनेक लोगों को भी उसी ज्ञान में लाया।

जब भी बोधिसत्व लोगों के बीच आये, उन्होंने उनके प्रति सम्मान का एक गहरा धनुष बनाया और उन्हें शब्दों के साथ प्रशंसा की, “मैं आपको सम्मान के अयोग्य कभी नहीं पा सकता, क्योंकि आप सभी बुद्ध बन गए हैं।” सीधे शब्दों में कहें, तो उन्होंने दूसरों के बुद्ध स्वभाव को सीधे देखा। लेकिन लोगों ने उसे नहीं समझा, और उन्होंने उसके शब्दों को अपमान के रूप में लिया। उन्होंने उन पर पथराव किया और लाठियों से उस पर वार किया। हालाँकि, भले ही वे उनसे बच गये, फिर भी बहुत दूर से जोर से चिल्लाये “आपको सम्मान के अयोग्य कभी नहीं पा सकता, क्योंकि आप सभी बुद्ध बन जायेंगे।”

ऐसे दृढ़ अभ्यास के माध्यम से, बोधिसत्व, कभी सम्मान के अयोग्य नहीं थे, वे मृत्यु के निकट लोटस सूत्र में उल्लिखित सार्वभौम सत्य का अनुभव करने में सक्षम थे और प्रत्येक मनुष्य के बुद्धस्वभाव की जागरूकता हासिल की। उन्होंने अपने अनगिनत पुनर्जन्मों में इस सत्य को उजागर किया, और अंत में उन्होंने बुद्धमार्ग प्राप्त किया।

यहाँ यह स्पष्ट किया जाता है कि ये बोधिसत्व पूर्वजन्म में कोई और नहीं बल्कि स्वयं शाक्यमुनि थे। दूसरे



शब्दों में, शाक्यमुनि स्वयं सभी मनुष्यों की प्रकृति के बारे में जागरूकता के माध्यम से बुद्ध बने और अपने निरंतर प्रयासों से इसे प्रकट किया है।

देशना की विवेचना भी महत्वपूर्ण है

बोधिसत्व सदा अपरिभूत का आरंभ दूसरों के बुद्धस्वभाव को सम्मान देने के तरीके के रूप में हुआ था, लेकिन जब वे अन्य दूसरे के बुद्धस्वभाव से अवगत हो गए, तो उन्होंने इस सत्य को सिद्धांत के रूप में उपदेश करना आरंभ किया। हमें स्वयं इसे देखना और सीखना चाहिए। हमें सभी लोगों के बुद्धस्वभाव को पहचानने और दूसरों के बुद्धस्वभाव का सम्मान करने से ऊपर उठें और पुण्डरीक सूत्र के सत्य की विवेचना करें, जिससे सभी लोगों को अपने बुद्धस्वभाव का अनुभव करने और दूसरों के बुद्धस्वभाव को प्रकट करने में मदद मिलती है। इस सक्रिय प्रयास से, प्रत्येक व्यक्ति की समझ गहरी होगी और संसार एक बेहतर स्थान बन जाएगा।

सतत प्रयास

बोधिसत्व सदा अपरिभूत की तरह, हमें अपरिवर्तनीय विश्वास के साथ गंभीरता से इस प्रयास को जारी रखना चाहिए। हम तौलिए में नहीं डाल सकते और फेंक सकते हैं, क्योंकि हम संसार की निराशाजनक स्थिति में निराश हैं। नहीं तो मैं स्वयं और नहीं तो संसार को मुक्त करा सकते हैं।

प्रत्येक मनुष्य में बुद्धस्वभाव चिरस्थायी और अविनाशी है, इसलिए हमें अनगिनत जन्मों के द्वारा दृढ निश्चय के साथ इस महान कार्य को जारी रखना चाहिए। यह एक और सबक है जिसे हम बोधिसत्व सदा अपरिभूत के उदाहरण से सीख सकते हैं।

यह उस पाठ का हिंदी अनुवाद है जिसका जापानी मूल होक्के सानबुक्यो: काकु होन नो आरामासी तो योतेन (समेकित त्रिविध पुण्डरीकसूत्रः प्रत्येक परिवर्त का सारांश और मुख्य बिंदुएँ) में संस्थापक निक्क्यो निवानो के नाम प्रकाशित है, (कोसेइ प्रकाशन, 1991 (संशोधित संस्करण, 2016), पीपी.188-92.



हमें बोधिसत्व बनने दो जो सदा अध्यवसायी हैं

रेव. कोइची साइतो

दिसंबर वह महीना होता है जब लोग वर्ष की गतिविधियों को समेटते हैं और नए सिरे से तैयारी करते हैं।

इस महीने के लिए अपने संदेश, “हर दिन तरोताजा जीना,” में प्रेसिडेंट निचिको निवानो इस वर्ष को दर्शाया है और हमें याद दिलाया है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न कठिन परिस्थितियों के बीच भी, हमेशा लोगों के साथ सहृदयता से बातचीत करना महत्वपूर्ण है, इस भावना से कि “यह धर्ममार्ग का स्थान है।”

विशेष रूप से, कभी भी, कहीं भी, किसी के लिए भी बिना भूलते हुए करुणा दिखाना यह हमें बोधिसत्व के अभ्यास में अध्यवसायी होने का आह्वान करता है।

एक व्यक्तिगत आदेश से, बीते महीने मुझे तोक्यो के ओता धर्म केंद्र का मंत्री और पश्चिम तोक्यो डिवीजन का निदेशक नियुक्त किया गया और रेवरेण्ट केइइची आकागावा को रिश्शो कोसेइ काइ इंटरनेशनल का निदेशक नियुक्त किया गया। इस महीने के प्रारंभ से नए निदेशक के नेतृत्व में मुझे उम्मीद है कि धर्म के वैश्विक प्रचार प्रसार को और भी अधिक सक्रिय और व्यापक रूप से विकसित किया जाएगा।

स्वयं एक नई धर्म यात्रा में कदम रखने पर, मैं यह प्रतिज्ञा करता हूँ कि हमेशा करुणा के महत्व को ध्यान में रखते हुए लोगों के साथ सम्पर्क करने का प्रयास करूँगा ताकि हर मुठभेड़ में मिलने वाले लोगों के लिए खुशी का बीज लाये।

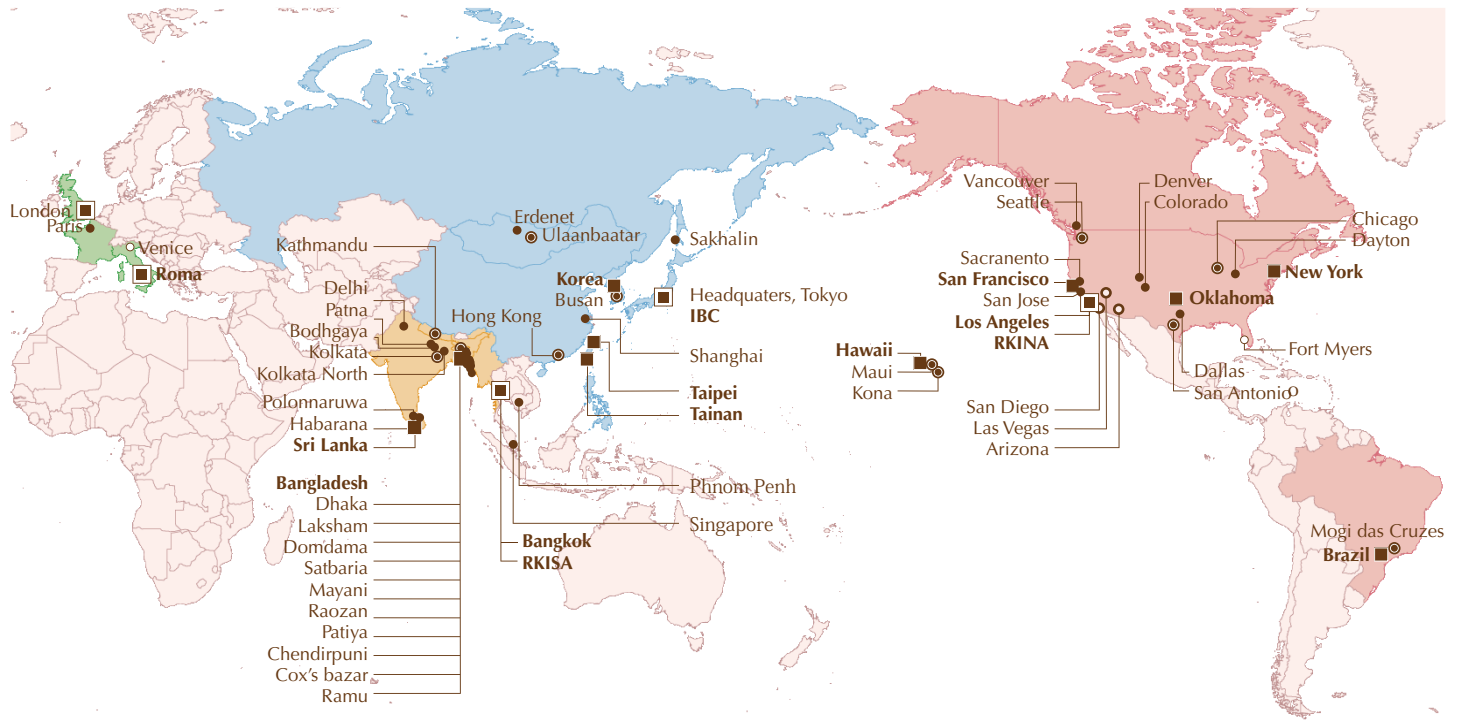


रेव. साइतो दाईं ओर और रेव. आकागावा बाईं ओर।



We welcome comments on our newsletter *Living the Lotus*: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 POBox 33636, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: info@rksf.org URL: <http://www.rksf.org>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rky39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA
 TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

在家佛教韓國立正佼成會

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會

台灣台南市崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: kosekaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact RiKISA

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL/FAX: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni,

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya**Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris**Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/RKUnitedKingdom>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.ibt-rk.org>